उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में जैसे, नाभिकीय ऊर्जा का शांतिपूर्ण प्रयोजनों के लिए प्रयोग, शान्तिपूर्ण उद्देश्यों के लिए बाह्य अंतरिक्ष की खोज और उपयोग, लेसर्स तथा लेसर प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान, विकास और डिजाइन बनाना, नये ढंग के यात्री विमान और सूचना प्रौद्योगिकी। उन्होंने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि उच्च प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग के औद्योगिक और वाणिज्यिक प्रवर्तन को तेज करने की जरूरत है।

15. दोनों पक्षों ने जनवरी, 1993 में नई दिल्ली में सम्पन्न अन्तर-सरकारी रक्षा-सहयोग करार के महत्व की पुन:पुष्टि की और इस बात पर सहमति व्यक्त की कि वे अपने सैन्य-तकनीकी सहयोग को और बढ़ाने के प्रयास जारी रखेंगे जिसमें संयुक्त उत्पादन की स्थापना भी शामिल है जिसका लक्ष्य अन्य बातों के साथ-साथ तीसरे देशों में निर्यात करना भी है। उन्होंने यह बात भी दोहराई कि उनका सैन्य सहयोग किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है।

16. दोनों पक्ष मानव संसाधन विकास में सहयोग को बढ़ाने तथा एक देश के लोगों के दूसरे देश के लोगों के साथ सम्पर्कों को विशेषकर संस्कृति, शिक्षा, कला, सूचना, पर्यटन और खेल-कूद के क्षेत्र में, सुविधाजनक बनाने को बहुत महत्व देते हैं। वे 1993 में हस्ताक्षरित सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम और अन्य द्विपक्षीय प्रबंधों के अन्तर्गत इन क्षेत्रों में ठोस उपाय करेंगे।

17. अपने संबंधों का गत्यात्मक और व्यापक विकास करने के साझा उद्देश्य से दोनों पक्षों ने बहुवादी राज्यों के हितों की रक्षा तथा भारत और रूसी परिसंघ के बीच सहयोग को और विकसित तथा सघन करने की घोषणाओं पर, शांतिपूर्ण प्रयोजनों के लिए बाह्य अंतरिक्ष के अन्वेषण और प्रयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा से संबद्ध करारों पर और मौसम विज्ञान तथा मानकीकरण और मापविज्ञान और प्रमाणीकरण के संबंध में समझौता ज्ञापनों पर 17 सितंबर 1992 के अन्तर-सरकारी करार की अवधि विस्तार से संबद्ध प्रोतोकोल तथा भारत-रूसी विमान उद्यम की स्थपना से संबंध पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने यथाशीघ्र पारस्परिक पूंजी-निवेश के संवर्धन एवं परिरक्षण, विमान सेवा तथा व्यापारिक जहाजरानी के संबंध में भी समझौते करने की अपनी मंशा जाहिर की।

18. मास्को में भारत-रूस शिखर सम्मेलन के परिणामों से उच्चतम स्तर पर द्विपक्षीय राजनीतिक बातचीत के लाभप्रद और संरचनात्मक स्वरूप की तथा इसे नियमित आधार पर जारी रखने की आवश्यकता की पुन: पुष्टि हुई। इस बातचीत को जारी रखने और द्विपक्षीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय क्रियाकलाप से भारत गणराज्य और रूसी परिसंघ के बीच बहुमुखी सहयोग संवर्चित होगा जिससे एशिया और विश्व में शांति और स्थिरता को बहुत योगदान मिलता है।

19. मास्को में आज, 30 जून 1994 को हिन्दी, रूसी और अंग्रेजी भाषाओं में दो-दो मूल प्रतियों में सम्पन्न हुआ, ये सभी पाठ समान रूप से प्रमाणिक हैं।

(हस्ता०)	(हस्ता०)
भारत गणराज्य	रूसी परिसघं के
के प्रधान मंत्री	राष्ट्रपति

Iranian President's visit to Lucknow

7097. SHRI K.R. MALKANI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during Mr. Rafsanjani's visit to Lucknow, the entire route from the airport to the Imambara was decked with Iranian flags only with and the Indian tricolour was nowhere in sight; and

(b) if so, the action taken in the matter?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA): (a) According to information available, on April 18, 1995 private bodies in Lucknow would seem to have decked the airport premises as well as the routes to the Raj Bhawan and Imambara with the national flags of India and Iran.

(b) Does not arise.

Changes in Pressler Law

7098. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem captioned "Clinton Government to seek changes to Pressler law" which appeared in the Indian Express dated the 6th April, 1995;

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI R.L. BHATIA): (a) Yes, Sir.